Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding construction of bridges in Beneshwar Dham in Banswara Parliamentary Constituency, Rajasthan -laid.

श्री कनकमल कटारा (बांसवाड़ा): मैं सरकार का ध्यान अपने संसदीय क्षेत्र बाँसवाड़ा-डूँगरपुर, राजस्थान के प्रसिद्ध एकमात्र त्रिवेणी संगम स्थल बेणेश्वर धाम जो माही, सोम एवं जाखम नदियों के संगम पर स्थित है, की तरफ दिलाना चाहता हूँ। यहाँ पर आवागमन के लिए नदी पुल निर्मित है परंतु इनकी ऊँचाई बहुत कम है एवं क्षतिग्रस्त है, जिस कारण से बारिश के दिनों एवं आम दिनों में भी इन पुलों पर पानी भरा रहता है, जिससे आवागमन बाधित होता है। बेणेश्वर धाम मावजी महाराज की तपोभूमि है जिन्हें श्री कृष्ण का अवतार माना जाता है, इस धाम पर पूर्णिमा के दिन लगभग एक माह तक मेला लगता है जिसे आदिवासियों का कुम्भ एवं वागड़ का कुम्भ भी कहा जाता है, इस धाम को बागड़ का हरिद्वार माना जाता है, जिस कारण से मेरे क्षेत्र के समस्त निवासियों द्वारा उनके परिजनो की अंत्योष्टि भी की जाती है एवं पिण्ड दान भी इस संगम स्थल पर किया जाता है। बाँसवाड़ा-डूंगरपुर एवं मेवाड़ क्षेत्र का एक मात्र त्रिवेणी संगम है जो पर्यटन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है। इन तीनो नदियों के संगम स्थल पर तीन नदी पुलों की अतिआवश्यता है। मैं माननीय मंत्री जी से माँग करता हूँ कि बेणेश्वर धाम में क्षेत्रवासियों की धार्मिक आस्था को देखते हुए यहाँ पर एक पुल निर्माण कराने की कृपा करें।